एसी, एलईडी लाइट के लिए वित्तीय प्रोत्साहन जल्द

नई दिल्ली, एजेंसी। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने मंगलवार को कहा कि सरकार घरों में उपयोग होने वाले एयर कंडीशनर जैसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों (व्हाइट गुड्स) के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के तहत वित्तीय प्रोत्साहन चौथी तिमाही से देना शुरू कर सकती है। कुछ कंपनियों ने इन वस्तुओं का उत्पादन शुरू किया है।

इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का उद्देश्य एयर कंडीशनर और एलईडी लाइट उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करना है। सिंह ने यहां भारत-दक्षिण कोरिया व्यापार भागीदारी मंच की बैठक के दौरान कहा कि अंतिम तिमाही (जनवरी-मार्च) में हम पीएलआई के तहत कुछ वित्तीय प्रोत्साहन के वितरण की उम्मीद कर रहे हैं।

पीएलआई के तहत 64 लाभार्थी इकाइयों में से 15 ने उत्पादन शुरू कर दिया है। इन 15 लाभार्थियों ने 31 मार्च, 2022 तक की अवधि का विकल्प चुना था। बाकी लाभार्थी ने 31 मार्च, 2023 तक की अवधि का विकल्प चुना था। वे परियोजना क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। यह योजना 2021-22 से 2028-29 तक सात साल की अवधि में लागू की जानी है। इस पर 6,238 करोड़ रुपये का व्यय आने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि कुल 1.98 लाख करोड़ रुपये की पीएलआई योजना के तहत मार्च तक 2,900 करोड़ वितरित किए गए हैं।

भारत के चिप क्षेत्र में बड़े अवसर

उन्होंने सेमीकंडक्टर विनिर्माण पर कहा कि सरकार निजी क्षेत्र को आगे आने और भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इससे पहले, सिंह ने बैठक में अपने संबोधन में कहा कि 10 अरब डॉलर की सेमीकंडक्टर विनिर्माण योजना में दक्षिण कोरियाई कंपनियों के लिए भारत में बड़े अवसर हैं। दक्षिण कोरिया 17 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सेमीकंडक्टर विनिर्माता है। साथ ही मेमोरी चिप्स और डिस्प्ले में अगुवा है।